SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s (2f) of UGC Act 1956]

SYLLABUS
FOR
Bachelor of Arts
Under CBCS Pattern
School of Humanities and Social Sciences
Department of Garhwali Language and Culture

(W.E.F 2021-2022)

Shri Guru Ram Rai university, Patel Nagar, Dehradun, Uttarakhand- 248001

OUTCOME BASED EDUCATION

Program Outcome (POs)

PO 1	शैक्षिक विषय का ज्ञान प्राप्त करना और समुचित शैक्षणिकता का विभिन्न शैक्षिणिक शाखाओं में लागू करना।
PO2	अपने समाज की सामाजिक संरचना का पहचानना।
PO3	किसी विषय पर प्रभावी ढ़ंग से संप्रेषण करना जिसमें कि संचालन एवं कौशलता का विकास करना है।
PO4	बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के दल का नेतृत्व करना और सूत्रपात में संलिप्त रहना जो सभी का उत्साह बढ़ाये।
PO5	विद्यार्थियों में जागरूकता का विकास करना।
PO6	शैक्षणिक निष्ठा का अनुपालन करते हुए विभिन्न मूल्य पद्धितियों का पहचानना और उनका सम्मान करना।
PO7	स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा वैश्विक आवश्यकता की जागरूकता को व्यक्त करना।
PO8	व्यावसायिक और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जीवन प्रयंत सीखना और कार्यक्षेत्र को सुदृढ़ बनाना।
PO9	पर्यावरण अनुरूप विकास के लिए नई तकनीकि, आधुनिक अवधारणाओं और कौशलता को अपनाते हुए जीवन प्रयंत सीखते रहने की योग्यता को विकसित करना।
PO10	अच्छे नागरिकता, सिद्धान्तों और गुण, का निरूपण करना जिससे मानव कल्याण की भलाई का कार्य हो सके।
PO11	अंर्तविषयक ज्ञान, और मानवीकि तथा सामाजिक विज्ञान की संयुक्त अवधारणा की कौशलता को अपनाना।
PO12	समाज में व्याप्त समस्याओं की जागरूकता के लिए आलोचनात्मक, सृजनात्मक, कौशलता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और मानवतावादी सोच को लागू करना।

Program Specific Outcome (PSOs)

PSO 1	प्रस्तुत कार्यक्रम के माध्यम से छात्र गढ़वाली भाषा के व्याकरण का गहन ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।
PSO2	गढ़वाली भाषा में उत्कृष्ट साहित्य लेखन कर पाएंगे।
PSO3	वर्तमान समय में नई शिक्षा नीति के तहत रोजगार की दृष्टि से यह कार्यक्रमउपयोगी सिद्ध होगा।
PSO4	गढ़वाली में पत्र लेखन और अनुवाद कार्य को सरलता पूर्वक कर सकेंगे।

Eligibility for admission:

Any candidate who has passed the Plus Two of the Higher Secondary Board Board of Examinations in any state recognized as equivalent to the Plus Two of the Higher Secondary Board in with not less than 40% marks in aggregate is eligible for admission, However, SC/ST, OBC and other eligible communities shall be given relaxation as per University rules.

Duration of the Program: 3 Years

STUDY & EVALUATION SCHEME
Choice Based Credit System
Bachelor of Arts

First Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	BGLC-101	गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण	5	1	0	6	30	70	100
			Total	5	1	0	6	30	70	100

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Second Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	BGLC-201	समकालीनगढ़वालीभाषा काव्य	5	1	0	6	30	70	100
			Total	5	1	0	6	30	70	100

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Third Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	BGLC-301	गढ़वालीभाषाकाइतिहासऔर साहित्य	5	1	0	6	30	70	100
2	Skill	BGLS-301	गढ़वालीसंस्कृति	3	1	0	4	30	70	100
			Total	8	2	0	10	60	140	200

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Fourth Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core/Elective	BGLC-401	गढ़वालीभाषागद्य	5	1	0	6	30	70	100
2	Skill	BGLS-401	गढ़वालविषयकसामान्य ज्ञान - I	3	1	0	4	30	70	100
			Total	8	2	0	10	60	140	200

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Fifth Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	BGLC-501	प्रयोजनमूलकगढ़वाली	5	1	0	6	30	70	100
2	Skill	BGLS-501	गढ़वालविषयकसामान्य ज्ञान - II	3	1	0	4	30	70	100
3	Generic (Elective)	BGLG-501	गढ़वालीगीतकारएवं गायिकी का अध्ययन	5	1	0	6	30	70	100
			Total	13	3	0	16	90	210	300

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Sixth Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
1	Core	BGLC - 601	गढ़वालीसंस्कृति, वाद्ययंत्रएवंसंगीत	5	1	0	6	30	70	100
2	Skill	BGLS - 601	गढ़वालविषयकसामान्य ज्ञान - III	3	1	0	4	30	70	100

3	Generic (Elective)	BGLG-601	गढ़वालीलोकगीतएवंगढ़वालीभाषाकेविकासमेंउत्तराखंडसरकारकायोगदान	5	1	0	6	30	70	100
			Total	13	3	0	16	90	210	300

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

ExaminationScheme:

Components	I[st] internal (ASSIGNMENT)	II[nd] Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	**15**	**15**	**70**

Programme Name- B A

Course code	: BGLC- 101				
Course Name	: गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण				
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रमउद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- छात्रोंकोगढ़वालीभाषाकेव्याकरणकाज्ञानउपलब्धकरवानेकेलिए।

2- गढ़वालीभाषाकेमानकीकरणसंबंधितजानकारीकेलिए।

3- गढ़वालीवाक्यनिर्माणकेसमुचितअध्ययनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i) भाषाअध्ययनऔरभाषाव्याकरण,गढ़वालीकाव्याकरणिकस्वरुप :वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी

(ii)गढ़वालीकाशब्दकोश - तद्भव,तत्सम,विदेशी, पर्यायवाची, विलोम, समानार्थी, अनेकार्थीशब्द

इकाई-2

(i) स्वरध्वनियां - गढ़वालीकीस्वरध्वनियां, अनुनासिकऔरअनुस्वार, स्वरसंयोग, अर्धस्वर, स्वरोंकीउत्पत्ति, स्वरपरिवर्तनकेरुप

(ii)गढ़वालीकीव्यंजनध्वनियां - उत्पत्ति,परिवर्तनकेरुपएवंविपर्यय

इकाई-3

(I)संज्ञाकेरुप - लिंग,वचन,कारक,ज्ञापकशब्दावली

(ii)सर्वनाम - उत्तमपुरुष, मध्यमपुरुष, निश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक, अनिश्चयवाचक

इकाई-4

(i)गढ़वालीवाक्य - परिभाषा,भेदएवंप्रकार

(ii)विशेषण, प्रत्ययऔरउपसर्ग,विरामचिह्न,गढ़वालीभाषाकामानकीकरण :समस्याऔरसमाधान

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषा :एकभाषाशास्त्रीयऔरव्याकरणिकअध्ययन–डॉ.गोविन्दचातक
2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश
3- गढ़वाली व्याकरण की रुपरेखा- अबोध बन्धु बहुगुणा

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य–डॉ.जनार्दनप्रसादकाला
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद
3-गढ़वाली व्याकरण - भुवनेश्वर जुयाल तथा वाचस्पति डोभाल

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	व्याकरण संबंधित नियमों का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाली व्याकरण की बारीकियों को समझेंगे।
CO3	व्याकरण संबंधित नियमों से परिचित होकर गढ़वाली शब्दों को प्रयोग करेंगे।
CO4	वाक्य विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली शब्दों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली व्याकरण के सभी रुपों का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	1	2	2	3	2	-	1	2	-	2	2	3	2	2	2
CO2	3	2	1	-	2	2	2	-	2	1	-	2	3	2	2	1
CO3	3	2	-	2	-	1	-	3	-	-	2	-	3	2	1	1
CO4	3	1	-	1	2	2	2	-	2	1	2	2	3	1	1	1
CO5	3	2	1	2	-	3	1	2	1	2	-	1	3	2	2	2
CO6	3	2	-	2	1	-	2	-	-	1	3	1	3	1	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	Ist internal (ASSIGNMENT)	IInd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	**:** BGLC- 201				
Course Name	**:** समकालीनगढ़वालीभाषाकाव्य				
Semester /Year	**:** II SEMESTER/ I YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचय।

2- गढ़वालीकवियोंकासाहित्यिकअवदान।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)शैलवाणी - अबोधबन्धुबहुगुणाद्वारासंकलित

(ii)डाँड्यूं कु रैबार - गोकुलानंद किमोठी

इकाई-2

(i)डाल्युं कु दगड्यों - तोताराम ढौंडियाल

(ii)विदाई – प्रो. दिनेश चमोला'शैलेश' (पृष्ठ संख्या- 63-64) 10 पद

इकाई-3

(i)बर्सुबाद - मदनमोहनडुकलान

(ii) हमारिभाषा- नरेन्द्रकठैत

इकाई-4

(i) घट मूं - जगदम्बा चमोला

(ii)उत्तराखंड महान (गढ़ स्तुति)- संदीप रावत

पाठ्य पुस्तक :-

1-डाँड्यूं कु रैबार - गोकुलानंद किमोठी

2-गढ़वालीगीतसंग्रह - तोतारामढौंडियाल 'जिज्ञासु'

3-विदाई खंडकाव्य– प्रो. दिनेश चमोला'शैलेश'
4- गाजी डॉट कॉम(कवितासंग्रह) -जगदम्बा चमोला
5-अपणोऐनाअपणीअंद्वार(कवितासंग्रह) - मदनमोहनडुकलान
6-तबारिअरअबारि(कवितासंग्रह)- नरेन्द्रकठैत
7- तू हिटदी जा (कवितासंग्रह) - संदीप रावत

संदर्भ पुस्तक :-

1- रससिद्धांतकीरुपरेखा–डॉ.नंदकिशोरढौंढियाल‘अरुण’
2-रससिद्धांतकापुनर्विवेचन - गणपतिचंद्रगुप्त

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली काव्य का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाली काव्य के माध्यम से गढ़वाली समाज में चल रही समस्याओं और प्रथाओं को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली भाषा काव्य को हिंदी व्याख्या के रुप में प्रयोग करेंगे।
CO4	लेखकों के साहित्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली काव्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली काव्य के सभी रुपों का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	-	1	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	-
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	-	-
CO5	3	-	2	2	2	1	-	-	2	2	2	2	2	2	-	-
CO6	3	2	-	-	2	2	1	1	2	2	-	-	2	-	-	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	Ist internal (ASSIGNMENT)	IInd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	**:** BGLC- 301				
Course Name	**:** गढ़वालीभाषाकाइतिहासऔरसाहित्य				
Semester /Year	**:** IIISEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालीभाषाकीशब्दसीमाओंकोसमझनेकेलिए।

2- गढ़वालीसाहित्यकाइतिहासऔरकालविभाजनकेसंदर्भमें।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीभाषीक्षेत्र: 'गढ़वाली' शब्दकीव्युत्पत्ति, विभिन्नमतएवंमानकवर्तनी

(ii)गढ़वालीकीपृष्ठभूमि - ऐतिहासिक, धार्मिक, भौगोलिक, सामाजिकपृष्ठभूमिएवंगढ़वालीभाषीक्षेत्र

इकाई-2

(i)गढ़वालीकीविविधबोलियां: गढ़वालीबोलियोंकासामान्यपरिचय, भाषिकविशेषताएं

(ii)गढ़वालीबोलियोंकातुलनात्मकअध्ययन

इकाई-3

(i)गढ़वालीभाषाकाउद्भवएवंविकास,औरकालविभाजन

(ii)गढ़वालीसाहित्यकाइतिहासऔरकालविभाजन, प्रमुखप्रवृत्तियांएवंविशिष्टरचनाकार

इकाई-4

(i)आधुनिकगढ़वालीलोकसाहित्य -प्रचलितलोकगाथाएं एवंलोककथाएं

(ii)गढ़वालीसृजनात्मकसाहित्य

पाठ्य पुस्तक :-

1-गढ़वाली गद्य परंपरा - अनिल डबराल

2- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य -डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

3-गढ़वालीभाषाऔरसाहित्य - श्रीअच्युतानंदघिल्डियाल

4- गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन - मोहनलालबाबुलकर

संदर्भ पुस्तक :-

1- लोकसाहित्यकेप्रतिमान - कुन्दनलालउप्रेती
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद
3- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल
4- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) - डॉ.अचलानंदजखमोला

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली भाषा के इतिहास का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाली साहित्य के इतिहास को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली साहित्य और बोलियों को उदाहरण के रुप में प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली साहित्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली साहित्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली भाषा के इतिहास और साहित्य का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	1	2	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	-
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	-	1
CO5	3	-	2	2	2	1	-	1	1	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	1	2	2	1	1	2	2	-	-	2	-	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I st internal (ASSIGNMENT)	II nd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	**:** BGLS- 301				
Course Name	**:** गढ़वालीसंस्कृति				
Semester /Year	**:** III SEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालकीसंस्कृतिकोविस्तारपूर्वकजानना।
2- गढ़वालक्षेत्रमेंरीतिरिवाजोंकामहत्व।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालकेप्रमुखरीतिरिवाजोंकाअध्ययन
(ii)त्योहारोंकाअध्ययन

इकाई-2

(i)गढ़वालकेप्रमुखवीर / वीरांगनाओंकापरिचय
(ii)उत्तराखंडकीसंस्कृतिऔरलोकविरासत

इकाई-3

(i)उत्तराखंडकीबोलियां
(ii)उत्तराखंडकीसांस्कृतिकविविधता

इकाई-4

(i)वैश्विक पटल परगढ़वालीसंस्कृति
(ii)गढ़वालकेप्रमुखतीर्थस्थलोंकीविवेचना

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश
2- गढ़वालीलोकमानस–डॉ.शिवानंदनौटियाल
3- गढ़वालकेलोकगीतऔरलोकनृत्य–डॉ.शिवानंदनौटियाल

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तरकाशीजनपदकालोकसाहित्य - सुभाषचंद्रकुशवाहा
2- मध्यहिमालयकीलोकसंस्कृतितथाभारतीयसन्दर्भ–डॉ.गोविन्दचातक
3- लोकसाहित्यकीरूपरेखा–डॉ.कृष्णचन्द्रशर्मा

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली संस्कृति का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाल के रीति रिवाजों को समझेंगे।
CO3	उत्तराखंड की संस्कृति को अपने दैनिक व्यवहार में अनुप्रयोग करेंगे।
CO4	उत्तराखंड की बोलियों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	वैश्विक पटल पर गढ़वाली संस्कृति का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ स्थल और वीर वीरांगनाओं का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Cour se	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	-	1	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	1	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	-	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	1	2	-	2	-	2	1	-	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	-	2	-
CO6	3	2	1	-	2	2	1	1	2	2	-	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	Ist internal (ASSIGNMENT)	IInd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	**:** BGLC- 401				
Course Name	**:** गढ़वालीभाषागद्य				
Semester /Year	**:** IV SEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1-गढ़वालीलेखकोंद्वारारचितवर्तमानसमयमेंचलरहीसमस्याओंकोकहानीकेमाध्यमसेजानना।

2-गढ़वालीलेखकोंका साहित्यमेंयोगदानजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालीकीलोककथाएं - डॉशिवानंदनौटियाल

इकाई-2 मंगतूबौल्या(नाटक)- स्वरुपढौंडियाल

इकाई-3 आसऔलाद (गढ़वालीहास्य-व्यंग्यनाटक) - कुलानन्दघनशाला

इकाई-4 मेरिपुफु (कहानी)- ओमप्रकाशसेमवाल

पाठ्य पुस्तक :-

1-मंगतूबौल्या - स्वरुपढौंडियाल

2- आसऔलाद - कुलानन्दघनशाला

3- मेरिपुफु- ओमप्रकाशसेमवाल

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश

2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद

3- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

4-उत्तराखंडकीलोककथाएं- उमेशचमोला

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली भाषा गद्य का ज्ञान होगा।
CO2	गद्य के माध्यम से समाज में चल रही समस्याओं को समझेंगे।
CO3	साहित्य की बारीकियों को समझकर कहानी लेखन का कार्य करेंगे।
CO4	गढ़वाली कहानियों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली कहानियों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लोककथाओं का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	-	1	2	-	3	3	2	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	1	-	2	-	-	1	-	-
CO5	3	2	2	2	2	1	1	-	2	2	1	2	2	2	2	-
CO6	3	2	-	2	2	2	1	1	2	2	-	1	2	-	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**I^st internal (ASSIGNMENT)**	**II^nd Internal (WRITTEN EXAM)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**15**	**15**	**70**

Course code	: BGLS- 401				
Course Name	: गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - I				
Semester /Year	: IV SEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		3	1	0	4

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- उत्तराखंडकेसामान्यज्ञानकीजानकारीप्राप्तकरना।
2- उत्तराखंडकेप्रमुखकवियोंकापरिचयजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालकेप्रमुखपर्यटनस्थलोंकाअध्ययन

इकाई-2 गढ़वालकेप्रमुखप्रयागोंकाअध्ययन

इकाई-3 गढ़वालकेप्रमुखदेव स्थानोंकाअध्ययन

इकाई-4 साठोत्तरीगढ़वालीसाहित्यकारोंकापरिचय

पाठ्य पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल–डॉ.जोधसिंहनेगी
2- उत्तराखंडकीसंतपरंपरा - गिरिराजशाह

संदर्भ पुस्तक :-

1- फूलोंकीघाटी - गिरिराजशाह
2- तराईकीपरंपरा - शैलेशमटियानी
3-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाल के सामान्य ज्ञान का बोध होगा।
CO2	गढ़वाल के मुख्य पर्यटन स्थलों को समझेंगे।
CO3	प्रमुख प्रयागों का अध्ययन कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाल के प्रमुख देवी स्थानों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली साहित्यकारों के साहित्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाल के सामान्य ज्ञान का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	-	1	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	-	2	-	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	1	2	2	-	2	2	-	1	-	-
CO5	3	-	2	2	2	1	-	1	1	2	2	2	2	2	2	2
CO6	3	2	-	-	2	2	1	1	2	2	-	-	2	-	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	Ist internal (ASSIGNMENT)	IInd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	: BGLC- 501				
Course Name	: प्रयोजनमूलकगढ़वाली				
Semester /Year	: V SEMESTER/ III YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालीभाषामेंपत्रतथानिबंधलेखनकाअभ्यास,
2- हिंदीसेगढ़वालीभाषामेंअनुवादकरना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 प्रयोजनमूलकगढ़वालीकाअभिप्राय, व्यावहारिकअनुप्रयोग : (क) शासकीयस्तरपर(ख) जनसंचारमाध्यम- मुद्रणमाध्यम(समाचारपत्र,पत्र –पत्रिकाएं),इलेक्ट्रॉनिकमाध्यम(रेडियो, टीवी, इंटरनेट,फिल्म, पटकथालेखन)(ग) गढ़वालीमेंकोशनिर्माणकार्य

इकाई-2 शासकीयगढ़वालीपत्राचार (प्रारुपण)-शासकीयपत्र, अर्धशासकीयपत्र,कार्यालयआदेश, कार्यालयज्ञापन, सूचना, अधिसूचना, ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आवेदनपत्र, प्रत्यावेदन,टिप्पणएवंप्रारुपण

इकाई-3 गढ़वालीमेंसंक्षेपण, विस्तारणएवंसारलेखन (अपठितगद्यांश/ पद्यांश)

इकाई-4 व्यावहारिकअनुवाद

पाठ्य पुस्तक :-

1- प्रयोजनमूलकप्रशासनिकहिंदी–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'
2- प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद - डॉ रामगोपाल सिंह जादौन

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद
3- अनुवादऔरअनुप्रयोग–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	छात्रों को जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में गढ़वाली भाषा को प्रयुक्त करने का ज्ञान प्राप्त होगा।
CO2	छात्र गढ़वाली में पत्र लेखन, सूचना लेखन आवेदन पत्र, ज्ञापन आदि का कार्य सरलता से कर सकते हैं।
CO3	गढ़वाली भाषा में अनुवाद कार्य कर पाएंगे।
CO4	अपठित गद्यांश और पद्यांश को पढ़कर उसमे संक्षेपण और टिप्पणका विश्लेषणकर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली को लेखन की दृष्टि से संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	व्यावहारिक अनुवाद का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	-	2	3	2	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	2	1	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	2	-	-	3	-	2	-	-	2	-	2	2
CO4	3	2	-	2	1	2	1	2	2	-	3	2	-	2	-	-
CO5	3	-	2	2	-	1	2	1	2	2	2	2	2	2	2	2
CO6	3	2	-	-	2	2	1	1	2	2	-	1	2	-	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I^st internal (ASSIGNMENT)	II^nd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	: BGLS- 501				
Course Name	: गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - II				
Semester /Year	: V SEMESTER/ III YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		3	1	0	4

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालक्षेत्रमेंरहनेवालीविभिन्नजनजातियोंकाअध्ययन

2- नंदाराजजातकाअध्ययन

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालकीप्रमुखजनजातियोंकाअध्ययन

इकाई-2 गढ़वालकेप्रमुखदेवी - देवताओंकाअध्ययन

इकाई-3 उत्तराखंडकीप्रमुखबोलियोंकाअध्ययन

इकाई-4 नंदाराजजातएकविस्तृतअध्ययन

पाठ्य पुस्तक :-

1- संस्कृतिसंगमउत्तरांचल-यमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'

2- उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल–डॉ.जोधसिंहनेगी

संदर्भ पुस्तक :-

1- नंदादेवीउत्तराखंडकीदेवी - नंदाराजजातप्रथमसंस्करण - रमाकांतबेंजवाल

2- नंदाराजजात - उत्तराखंडमेंनंदादेवीकीउत्सवएवंजातपरंपरा

3-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाल की विभिन्न जनजातियों का ज्ञान होगा।
CO2	नंदा राजजात के माध्यम से गढ़वाल की संस्कृति को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली बोलियों का अध्ययन करके उसके विविध रुपों को अपने दैनिकमें प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाल के प्रमुख देवी देवताओं से संबंधित आख्यानों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	उत्तराखंडकीप्रमुखबोलियोंकासंश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाल के सामान्य ज्ञान का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	-	3	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	2	-	2	2	2	-	2	2	-	2	-	-	2	-	2	2
CO4	3	2	-	-	1	2	1	2	2	-	2	2	-	2	-	2
CO5	3	-	2	2	2	1	-	1	2	2	2	2	2	2	2	2
CO6	3	2	-	-	2	2	1	2	2	2	-	-	2	-	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	Ist internal (ASSIGNMENT)	IInd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	: BGLG- 501				
Course Name	: गढ़वालीगीतकारएवं गायिकी काअध्ययन(Elective)				
Semester /Year	: V SEMESTER/ III YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

- गढ़वालीगीतकारोंएवं लेखकों कागढ़वालीसंस्कृतिकेसंरक्षणऔरसंवर्धनहेतुयोगदानस्पष्टकरना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i) कन्हैयालाल डंडरियाल
(ii)जीतसिंहनेगी

इकाई-2

(i) भगवतीप्रसादपोखरियाल
(ii) बसंतीबिष्ट

इकाई-3

(i) नरेन्द्रसिंहनेगी
(ii)प्रीतमभरतवाण

इकाई-4

(i)संगीताढौंढियाल

पाठ्य पुस्तक :-

1-कुयेडी, नागरजा-कन्हैयालाल डंडरियाल
2-कोहोलीबीरा- जीतसिंहनेगी
3-खुचकंडी-नरेन्द्रसिंहनेगी
4-सुर्ज काँठ्यौं- प्रीतमभरतवाण

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकेनयेपुरानेगीतोंकासंग्रह

2- गढ़वालीनयेपुरानेगीतोंकासंग्रह

नोट-

उपर्युक्तगीतोंकेअध्ययनकेलिएआवश्यकतानुसारयूट्यूबऔरइंटरनेटकाउपयोगकियाजासकताहै।

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली गीतकारों और गढ़वाली गायिकी का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाली गीतों का अर्थ समझेंगे।
CO3	गढ़वाली गीतों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली गीतों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली गीतों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली गीतकारों और गढ़वाली गीतों का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	-	2	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	1
CO2	2	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	2	-
CO3	3	-	-	3	2	-	2	1	-	3	-	-	2	-	2	2
CO4	2	2	2	1	1	2	1	2	2	-	2	2	-	1	-	-
CO5	3	-	2	2	2	1	-	2	1	2	2	2	2	2	2	2
CO6	3	2	1	-	2	2	1	2	2	2	-	-	2	-	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st] internal (ASSIGNMENT)	II[nd] Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	: BGLC- 601				
Course Name	: गढ़वालीसंस्कृति, वाद्ययंत्रएवंसंगीत				
Semester /Year	: VI SEMESTER/ III YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालकेप्रचलितलोकवाद्ययंत्रोंकाअध्ययनकरना।

2- गढ़वालीलोकगीतऔरलोकनृत्योंकाअध्ययन

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालीवाद्ययंत्र

(i)ढोल-दमाऊं

(ii)तूतडी

(iii)जाउनिमूरली

(iv)थालीवडौर- थाली

(v)नागार, मादलवढोलक

इकाई-2 गढ़वालीसंगीत

(i)घडयालियानृसिंगकाजागर, भैरव, गोलू, गंगनाथ

(ii) नंदादेवीजागर, आठोंकीपरंपरा, डगोली, बदियाकोट, वनमुनदोली, नौटी, लाता, कुरुर, नागपुर (उर्गमऔरपंचगें) एवंसाड़ी (उखीमठ)

(iii)पंडवानी: मंदाकिनीघाटी, ग्यारहगो, हिंदू, जौनसार, अगस्त्यमुनि/ महाभारत

(iv)महाभारतवबब्रूवाहनकेगीत, बईमाता, बलराम, कृष्णकीलीलाएं, रामायणकेगीत

(v)समकालीनगायिकी

इकाई-3 गढ़वालीनृत्य

(i)झोरा, चांचरी, छपेली, रमोला, नर्सिंग,गोरिलएवंछोलिया

(ii)पांडव, बगड़वाल ,ऐरी - आछरी

(iii)बोक्सा, थारू, राजीनृत्य

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीजागर (लोकगीततथाप्रक्रिया) - डॉनंदकिशोरढौडियालअरुण
2- गढ़वालीलोकगीतविविधा (विभिन्नअवसरोंपरगाएजानेवालेगीत) - डॉगोविन्दचातक
3- गढ़वालकेलोकनृत्य - डॉशिवानंदनौटियाल

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन–डॉ.जगदीशप्रसादनौड़ियाल
2-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली संस्कृति, वाद्ययंत्र एवं संगीत का बोध हुआ।
CO2	गढ़वाली वाद्ययंत्रों , संगीत और नृत्य को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली वाद्ययंत्र, संगीत और नृत्य को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली वाद्ययंत्र, संगीत और नृत्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली वाद्ययंत्र, संगीत और नृत्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली वाद्ययंत्र, संगीत और नृत्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	3	1	3	-	3	2	1	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	-	2	2	2	2
CO4	2	2	-	1	2	2	2	2	2	-	2	2	-	1	-	-
CO5	3	-	2	2	2	1	-	1	1	2	2	2	2	2	2	2
CO6	2	2	2	-	2	2	1	1	2	2	-	-	2	-	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I^st internal (ASSIGNMENT)	II^nd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	**:** BGLS- 601				
Course Name	**:** गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - III				
Semester /Year	**:** VI SEMESTER/ III YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		3	1	0	4

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- उत्तराखंडकाइतिहासजाननेकेलिए।

2- गढ़वालकीप्रमुखसंगीतविधाओंएवंवाद्ययंत्रोंकीजानकारीप्राप्तकरनेकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वाल काइतिहास

इकाई-2 गढ़वालऔरहिमालय

इकाई-3 गढ़वालऔरनदीसंस्कृति

इकाई-4 गढ़वालकीबाह्यऔरआभ्यंतरसंस्कृति

पाठ्य पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकानवीनइतिहास–डॉ.यशवंतसिंहकठोच

2- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश–डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी

3- गढ़वालीजागर (लोकगीततथाप्रक्रिया) - डॉ.नंदकिशोरढौंडियाल 'अरुण'

4- गढ़वालीलोकगीतविविधा (विभिन्नअवसरोंपरगाएजानेवालेगीत) –डॉ.गोविंदचातक

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट‘शैलेश’

2- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन–डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वालकेइतिहास का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाल और हिमालय का आपस में सह संबंध को समझेंगे।
CO3	गढ़वाल की नदियों की विस्तृत जानकारी का बोध हुआ।
CO4	गढ़वाल की बाह्य और आभ्यंतर संस्कृति का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वालकीसंस्कृतिका संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाल विषयक सामान्य ज्ञान का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	3	1	3	1	3	2	1	2	3	3	3	2	2	1
CO2	3	2	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	2	-	1	2	-	2	-	-	3	2	2	2
CO4	3	2	-	1	2	2	2	2	2	-	2	2	-	2	-	-
CO5	3	1	2	2	1	1	-	1	1	2	2	2	2	2	2	2
CO6	2	2	2	-	2	2	1	2	2	2	1	2	2	-	1	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I^st internal (ASSIGNMENT)	II^nd Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70

Course code	: BGLG- 601					
Course Name	: गढ़वालीलोकगीतएवंगढ़वालीभाषाकेविकासमेंउत्तराखंडसरकार कायोगदान(Elective)					
Semester /Year	: VI SEMESTER/ III YEAR					
			L	**T**	**P**	**C**
			5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै

1- उत्तराखंडसरकारद्वारागढ़वालीभाषाकेसंरक्षणकेलिएकिएगएप्रयासोंकाअध्ययनकरना।
2- गढ़वालीलोकगीतोंकाअध्ययनकरना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालीलोकगीतअर्थएवंस्वरुप

इकाई-2 गढ़वालीलोकगीतविविधा

इकाई-3 गढ़वालीलोकगीतोंकावर्गीकरण

इकाई-4 गढ़वालीभाषाकेविकास में सरकारकाप्रदेय–धगुलि,हंसुलि, छुबकि, पैजबिऔर झुमकिकाविश्लेषण

पाठ्य पुस्तक :-

1-गढ़वालीलोकगीतविविधा -डॉ.गोविंदचातक
2- गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ. हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वाली लोकमानस - शिवानंद नौटियाल

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	छात्रों को गढ़वाली लोकगीतों के स्वरुप का ज्ञान हुआ।
CO2	गढ़वाली लोकगीतों के माध्यम से आम जनमानस की अभिव्यक्ति के स्वरुप को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली गीतों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	लोकगीतों की विशेषताओं का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	लोकगीतोंकेवर्गीकरण कासंश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली भाषा के विकास में उत्तराखंड सरकार के योगदानका मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	3	2	3	-	3	2	1	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	1	2	1	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	1	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	2	2	2	2	2	-	2	2	-	1	2	-
CO5	3	2	2	2	2	1	-	2	1	2	1	2	2	2	2	2
CO6	2	1	2	-	2	-	2	1	2	2	2	-	2	-	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st] internal (ASSIGNMENT)	II[nd] Internal (WRITTEN EXAM)	External (ESE)
Weightage(%)	15	15	70